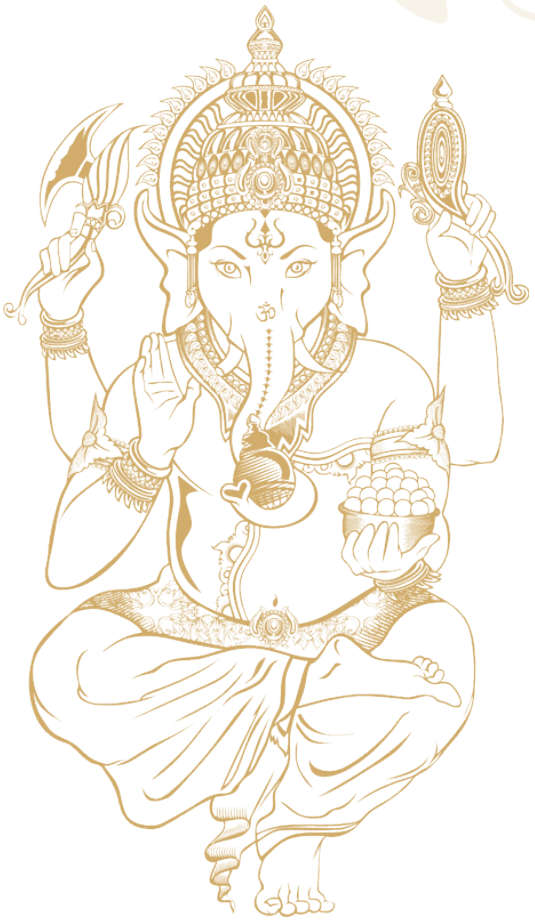

Sakshi

01 Mar 1998

03:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121269106

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28-01/03/1998**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**03:45:00 घंटे**
इष्ट	52:22:37 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:38 घंटे
साम्पातिक काल	13:57:58 घंटे
सूर्योदय	06:47:57 घंटे
सूर्यास्त	18:19:55 घंटे
दिनमान	11:31:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:17:34 कुम्भ
लग्न के अंश	21:14:26 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुभ
करण	गर
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	21:14:26	360:28:57	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	16:17:34	01:00:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	17:09:01	14:58:19	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल			मीन	03:15:23	00:46:39	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	कुंभ	22:02:46	01:54:45	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु		अ	कुंभ	12:02:29	00:14:27	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
शुक्र			मक	03:29:49	00:40:48	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	24:15:17	00:06:32	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	16:42:08	00:00:08	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	16:42:08	00:00:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	16:37:57	00:03:10	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	07:14:59	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	14:12:10	00:00:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			तुला	07:49:35	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:48

लग्न-चलित

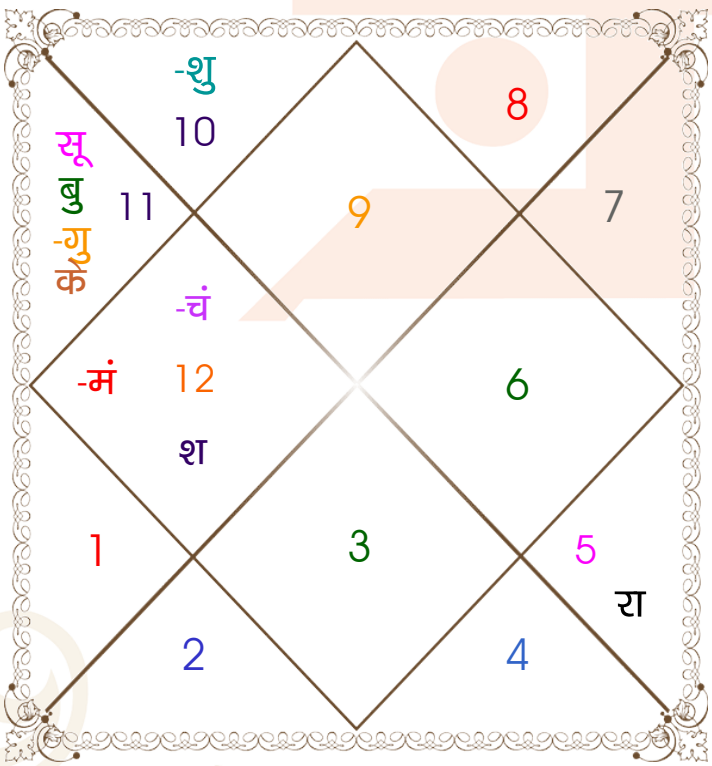

चन्द्र कुंडली

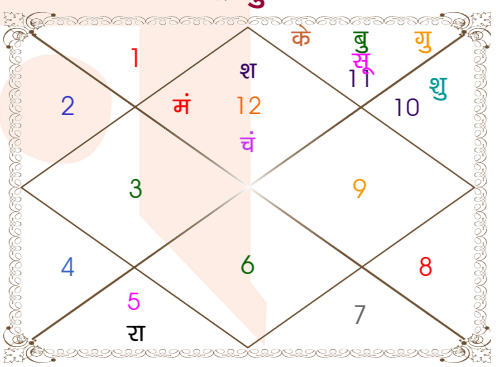

नवमांश कुंडली

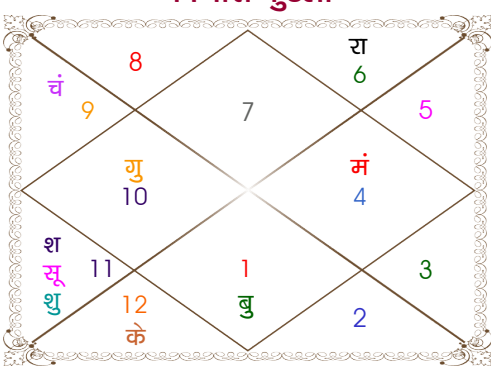

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 4 मास 18 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/03/1998		19/07/2014		18/07/2021		18/07/2041		19/07/2047	
19/07/2014		18/07/2021		18/07/2041		19/07/2047		18/07/2057	
बुध	15/12/1999	केतु	15/12/2014	शुक्र	17/11/2024	सूर्य	05/11/2041	चंद्र	18/05/2048
केतु	11/12/2000	शुक्र	14/02/2016	सूर्य	17/11/2025	चंद्र	07/05/2042	मंगल	17/12/2048
शुक्र	12/10/2003	सूर्य	21/06/2016	चंद्र	19/07/2027	मंगल	11/09/2042	राहु	18/06/2050
सूर्य	18/08/2004	चंद्र	20/01/2017	मंगल	17/09/2028	राहु	06/08/2043	गुरु	18/10/2051
चंद्र	17/01/2006	मंगल	18/06/2017	राहु	18/09/2031	गुरु	24/05/2044	शनि	19/05/2053
मंगल	14/01/2007	राहु	06/07/2018	गुरु	19/05/2034	शनि	06/05/2045	बुध	18/10/2054
राहु	03/08/2009	गुरु	12/06/2019	शनि	18/07/2037	बुध	13/03/2046	केतु	19/05/2055
गुरु	09/11/2011	शनि	21/07/2020	बुध	18/05/2040	केतु	19/07/2046	शुक्र	17/01/2057
शनि	19/07/2014	बुध	18/07/2021	केतु	18/07/2041	शुक्र	19/07/2047	सूर्य	18/07/2057

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/07/2057		18/07/2064		19/07/2082		19/07/2098		19/07/2117	
18/07/2064		19/07/2082		19/07/2098		19/07/2117		00/00/0000	
मंगल	15/12/2057	राहु	31/03/2067	गुरु	05/09/2084	शनि	22/07/2101	बुध	02/03/2118
राहु	02/01/2059	गुरु	24/08/2069	शनि	19/03/2087	बुध	01/04/2104		00/00/0000
गुरु	09/12/2059	शनि	30/06/2072	बुध	24/06/2089	केतु	10/05/2105		00/00/0000
शनि	17/01/2061	बुध	17/01/2075	केतु	31/05/2090	शुक्र	10/07/2108		00/00/0000
बुध	14/01/2062	केतु	05/02/2076	शुक्र	29/01/2093	सूर्य	22/06/2109		00/00/0000
केतु	12/06/2062	शुक्र	05/02/2079	सूर्य	17/11/2093	चंद्र	21/01/2111		00/00/0000
शुक्र	12/08/2063	सूर्य	30/12/2079	चंद्र	19/03/2095	मंगल	01/03/2112		00/00/0000
सूर्य	18/12/2063	चंद्र	30/06/2081	मंगल	23/02/2096	राहु	06/01/2115		00/00/0000
चंद्र	18/07/2064	मंगल	19/07/2082	राहु	19/07/2098	गुरु	19/07/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 4 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल में हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन की आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट महिला है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत की अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगी।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहती हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करती रहेंगी। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहती हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाती हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखती हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहती हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठानी पड़ती है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करती हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी की शिकार बनती हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाती हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहती हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहती हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहती हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहती हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकती हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन की स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकती हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहती हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो

बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगी।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।